

**DISTRACTEDLY** : (1) क्षिप्तवत् ; (2) क्षिप्तचेतस् (mf.n.) : v. Madly.

**DISTRACTEDNESS** : क्षिप्ता : v. Madness.

**DISTRACTION** : I. Drawing away : अपकर्षः, -णम्. II. Diversion : q.v. III. Agitation, perplexity : q.v. : क्षोभः. IV. Disorder : q.v. V. Madness : q.v. : क्षिप्ता.

**DISTRAIN** : \*सम्पीड्य गृह्णाति (ग्रह्, c. 9.).

**DISTRAINT** : \*सम्पीडनग्रहणम्.

**DISTRAUGHT** : v. Distract.

**DISTRESS** (subs.) : I. Misery, affliction : (1) दुःखम्, *seeing no end of (my) d.* : दुःखस्यान्तमपरयन्ती, Mat. ; (2) कष्टम् ; (3) शोकः (=sorrow) ; (4) क्लेशः (=pain). II. Calamity : q.v. : आपद् (f.). III. A state of danger : कृच्छ्रम्. IV. Distressing : \*सम्पीडनग्रहणम्.

**DISTRESS** (v.) : I. To afflict : (1) व्यथयति (c. of व्यथ्) ; (2) पीडयति (पीड्, c. 10.) ; (3) दुःखाकरोति. D. ed : (1) दुःखितः (ता, तं) ; (2) व्यथितः (ता, तं). II. To distraint : q.v.

**DISTRESSFUL** : v. Distressing.

**DISTRESSING** (adj.) : (1) कष्टकरः (री, रं) ; (2) व्यथकः (का, कं) ; (3) दुःखबहुलः (ला, लं) ; (4) by subs, *what can be more d.* : ततो दुःखतरं नु किम्, G. ; *what else will be more d. to narrate* : किं बापरमतः कष्टतरमाख्येयमन्यद्भव्यति, K.

**DISTRESSINGLY** : v. Piteously.

**DISTRIBUTE** : (1) वि-भजति (भज्, c. 1.) (=to divide : q.v.) ; (2) वितरति (तृ, c. 1.) (=to give : q.v.) ; (3) विन्यस्यति (अस्, c. 4.) (=to arrange as of d. ing types) ; (4) परिकल्पयति (कृप्, c. 1.) (=to assign).

**DISTRIBUTION** : (1) विभागः (=division) ; (2) विसर्गः (=giving), *taking is for d.* : आदानं हि विसर्गाय, R. ; (3) विन्यासः (=arrangement).

**DISTRIBUTIVE** : Ph. : D. justice : \*विभागकारिधर्मः ; d. adjective : \*विभागव्यञ्जकं विशेषणम्.

**DISTRIBUTIVELY** : (1) विभागशः ; (2) सविभागेन.

**DISTRIBUTER** : (1) विभागकर्तृ (m.) ; (2) दातृ (=giver : q.v.).

**DISTRICT** : (1) प्रदेशः (?) ; (2) मण्डलम् (?) : v. Country, region.

**DISTRUST** (subs.) : (1) अविश्वासः ; (2) अप्रत्ययः : v. Suspicion, doubt.

**DISTRUST** (v.) : (1) न विश्वसिति, etc. : v. To believe ; (2) शङ्कते (शङ्क्, c. 1.) : v. To suspect.

**DISTRUSTFUL** : I. Suspicious : q.v. : अविश्वासिन् (f. नो). II. D. of : expr. by verb.

**DISTRUSTFULLY** : (1) अविश्वासेन ; (2) साशङ्कम् (=apprehensively), and d. followed by Rati : रत्या च साशङ्कमनुप्रयातः, Ku.

**DISTURB** : I. To derange : (1) विप्रकरोति (कृ, c. 8.) ; (2) आकुलीकरोति ( to confuse). II. To agitate : q.v. : आकुलीकरोति. III. To interrupt : q.v. : प्रतिवध्नाति (बन्ध्, c. 7.).

**DISTURBANCE** : I. Commotion, disorder : q.v. : संचोभः. II. Agitation : q.v. : संचोमः. III. In law, perh. मङ्गः. IV. The act : expr. by verb.

**DISTURBER** : (1) संचोमकः (=agitator) ; (2) विप्रकर्तृ (m.) (=deranger) ; (3) मञ्जकः (=interrupter).

**DISUNION** : I. Separation : q.v. : वियोगः. II. Disagreement : q.v. : भेदः.

**DISUNITE** : वियोजयति (युज्, c. 10.) : v. To separate.

**DISUSE** (subs.) : (1) अव्यवहारः : v. Use ; (2) विरामः : v. Cessation. *To fall into d.* : विलुम्पति (लुप्, c. 6.), V. p.

**DISUSE** (v.) : v. To use and not.

**DISUSED** : Ph. : d. to toil : अज्ञातपरिश्रमः (मा, मं) ; d. from pain : विरतवेदनः (ना, नं).

**DITCH** (subs.) : (1) परिखा (=moat), *the d. es were filled up with spikes* : परिखाः कीलैः सुनिचिताः कृताः, Mah. ; (2) खातम् (=trench), *near the d.* : उपखातम्, D.

**DITCH** (v.t.) : I. To surround with a moat : परिख्या वेष्टयति (c. of वेष्ट्). II. To dig a d. : खातं करोति (with loc.).

**DITCHER** : (1) परिखाखनकः ; (2) खातकारः.

**DITTANY** : शाकभेदः.

**DITTO** : I. Adj. or subs. : तथा. II. Verb. : तथास्तु वदति (वद्, c. 1.) (?).

**DITTY** : गीतम् : v. Song.